बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

रुत: एक प्रेम कहानी

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Janie Forest
रूपान्तरकार: Lyn Doerksen
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2015 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

यदि आप अपने महान भव्य माता पिता, उनके माता - पिता और आपके परिवार में आप से पहले जन्मे सभी लोग एक साथ आये तो आप कितना आश्चर्यचकित होंगे और जानेंगे भी कि वे किस प्रकार के लोग थे। बाइबल में, 'यीशु की मानवीय पूर्वजों में से रूत एक थी जो एक मोआबिन - मूर्तिपूजक थी।

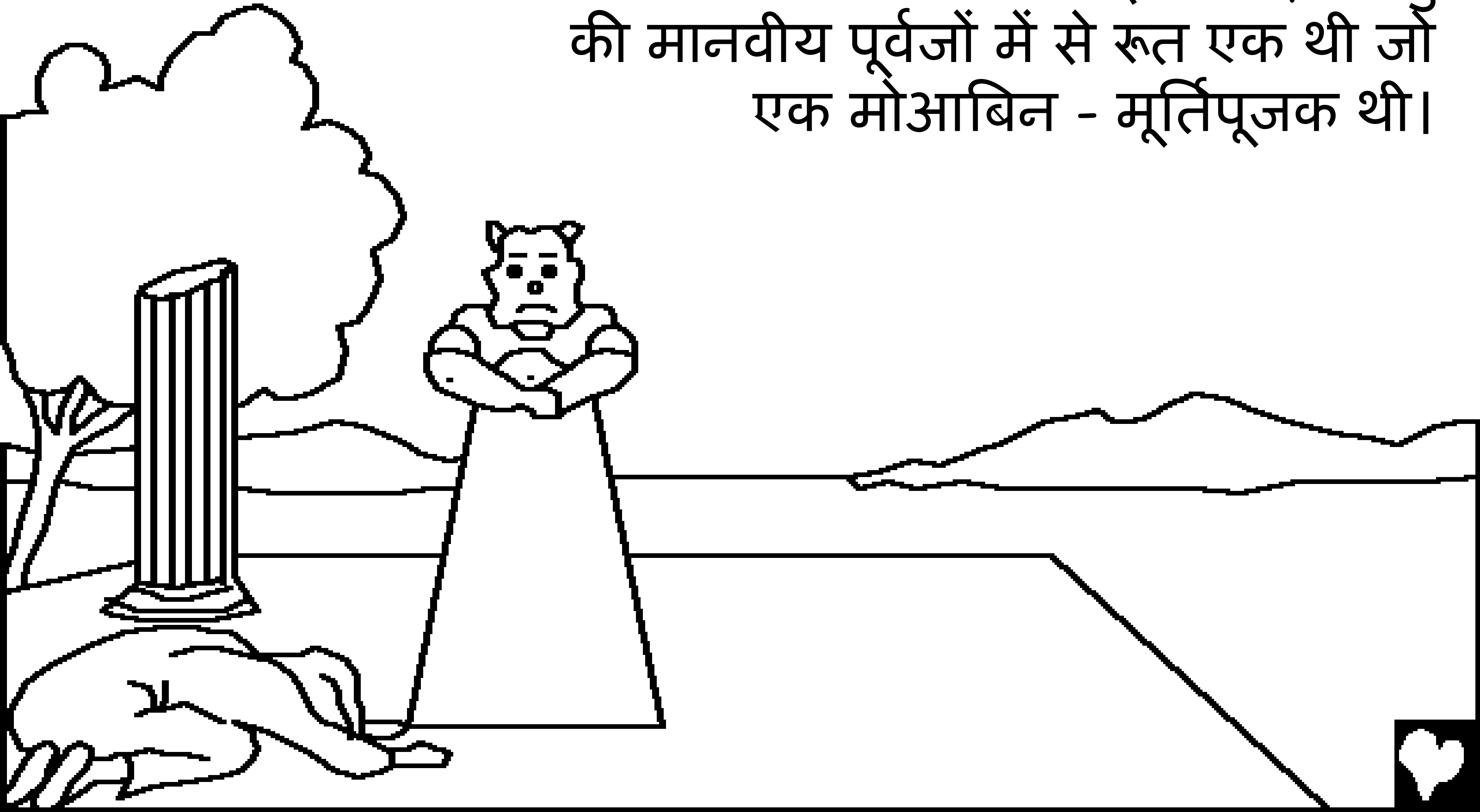

शिमशोन के समय के बाद इस्राएल में रुत की कहानी शुरू हुई, जब प्रभु के लोगों ने परमेश्वर पर भरोसा और उसकी आज्ञाओं का पालन करना बंद कर दिया। देश में एक भयानक अकाल पड़ा। क्या आप अकाल के बारे में जानते हैं? हाँ यह सही है! एक आकाल का मतलब की कोई फल या फसलें पैदा न होना, और कभी कभी तो इससे जानवर तथा लोग भी भूखों मरने लगते हैं।

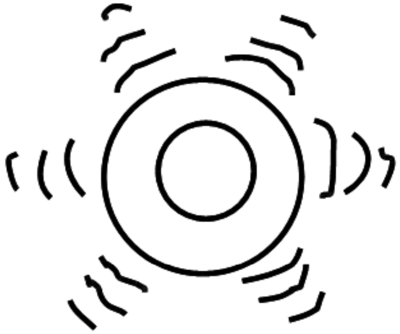

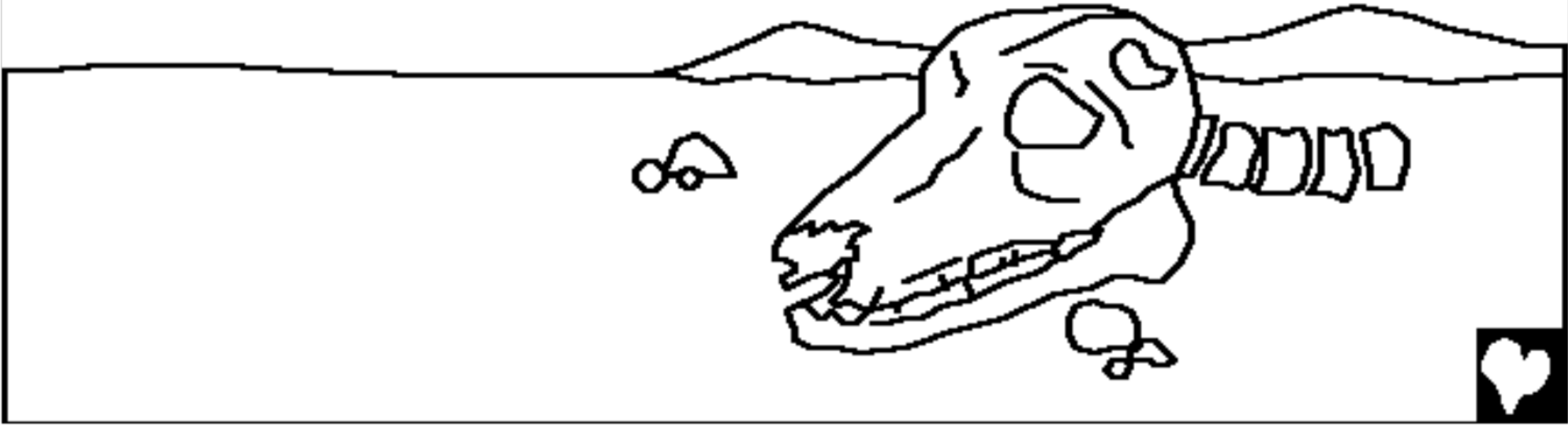

एक आदमी, एलीमेलेक, भोजन की तलाश में उसकी पत्नी और दो बेटों के साथ बैतलहम से निकला और वह मोआब देश को गया, जहाँ लोग मूर्तियों की पूजा करते थे।

मोआब में
एलीमेलेक और
उसके परिवार के लिए हालात अच्छे नहीं
थे। वह मरा और उसके बाद दोनों बेटों का
भी निधन
हो गया।

केवल
उसकी
पत्नी,

नाओमी, 'दोनों बेटों को पत्नियों, रूत और ओर्पा के साथ
बची थी। दोनों लड़कियां मोआब की रहने वाली थी।

अब विधवा नाओमी ने यह सुना की यहोवा ने अपनी प्रजा का दौरा किया है और उन्हें रोटी दे रहा है। उसने अब अपनी मातृभूमि लौटने का फैसला किया। लेकिन वे दोनो लड़कियां क्या करेंगी? नाओमी ने उन्हें सलाह दी कि अब तुम दोनों मोआब में ही रहो और अपनी दूसरी शादी कर लो।

ओर्पा वापस अपने परिवार के पास चली गयी। लेकिन रुत ने इनकार कर दिया। इसके बजाय, रुत ने अपनी सासु माँ के लिए एक सुंदर कविता कही जिसमें वायदा था, कि वह अपनी सासु माँ को कभी नहीं छोड़ेगी।

नाओमी के पुराने मित्र बेहद खुश थे की वह वापस बैतलहम,
अपने घर लौट आयी है। लेकिन उसने कहा की मुझे अब नाओमी
(सुखद) नहीं "मारा" (कड़वा) कहो।
"क्योंकि सर्वशक्तिमान मेरे साथ
बहुत ही कड़वाहट के साथ
ब्यवहार किया है। "नाओमी
अपने साथ रुत के अलावा और
कुछ लेकर नहीं लौटी थी।"

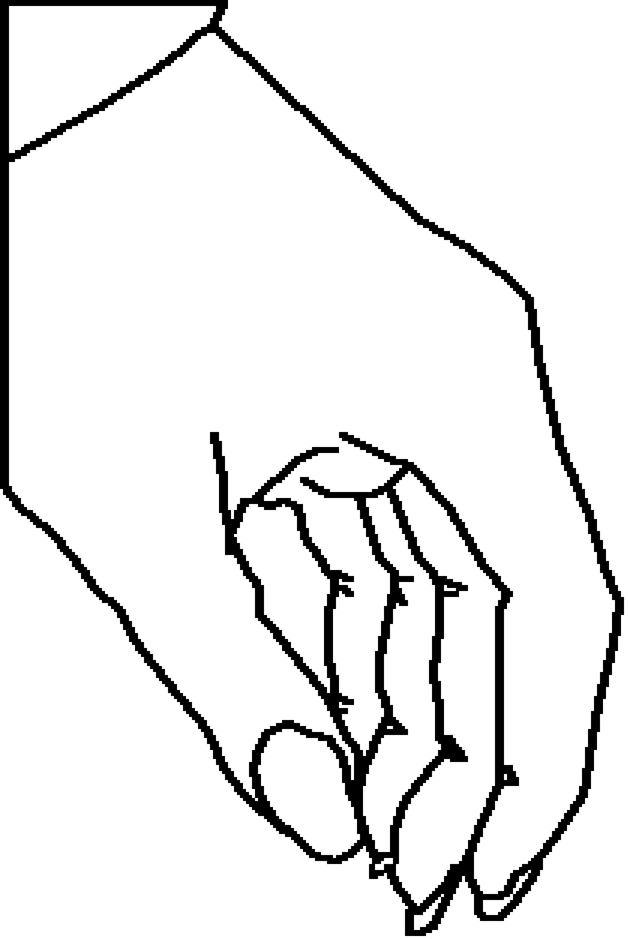

हालांकि रुत मोआब में ज्यादातर लोगों की तरह मूर्तियों की पूजा की थी, पर वह सबकुछ छोड़कर अब इस्राएल के जीवित परमेश्वर की पूजा करने लगी थी। रुत कठिन परिश्रम करती थी ताकि नाओमी को पर्याप्त खाना मिल सके। हर दिन वह खेतों में कटनी करने वालों के पीछे अनाज को बीनने जाया करती थी।

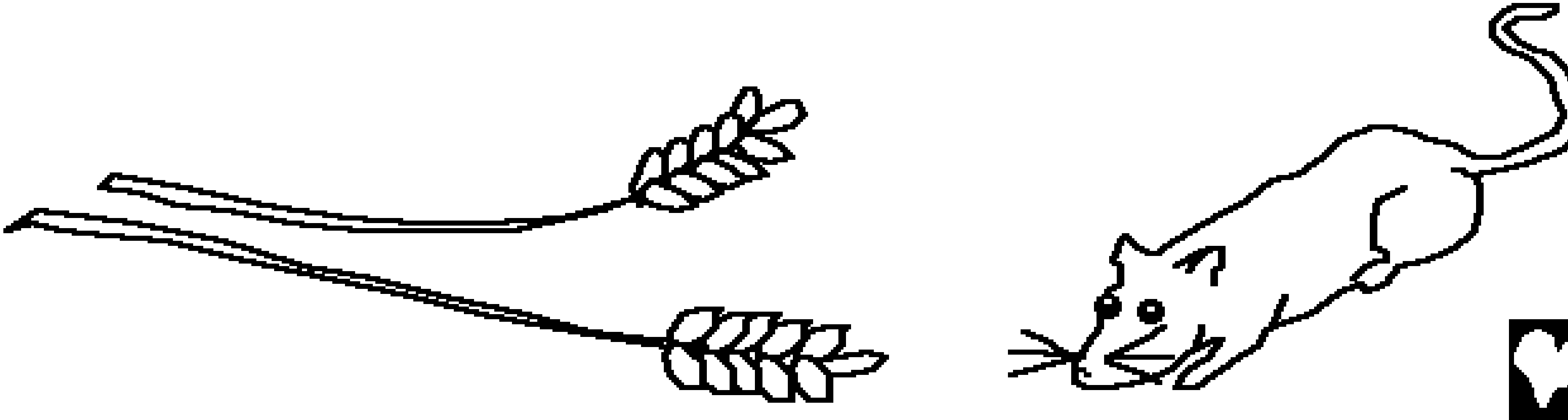

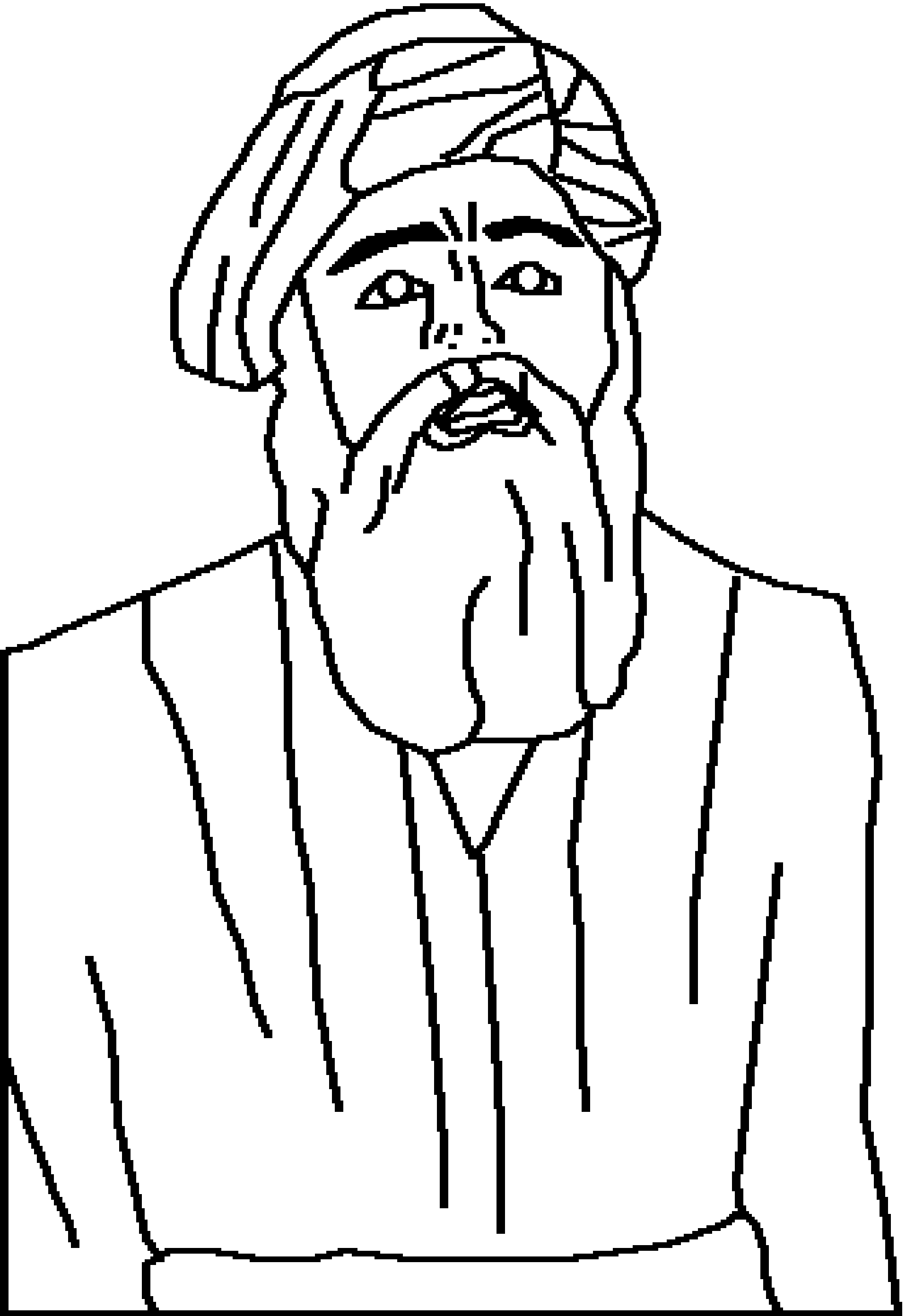

बोअज, खेत के मालिक ने सुना की रुत उसकी सास का बहुत अच्छा से ख्याल रखती है। जब वह उससे मिला, बोअज यह सब जानने के बाद, कटनी करने वालों को आदेश दिया कि मुट्ठी भर बालें पीछे छोड़ दिया करें, जिससे उसको मदद मिल सके। बोअज रुत को पसंद करने लगा।

जब रुत ने बोअज और उसकी दयालुता के बारे में नाओमी को बताया, तो बुजुर्ग महिला परमेश्वर की प्रशंसा की। "वह आदमी हमारा एक रिश्तेदार, हमारे पास के भाइयों में से एक है।"

समय बीतने
पर, बोअज रुत से शादी करना, नाओमी और
उसके परिवार की जमीन की देख भाल भी
करना चाहता था। लेकिन एक दूसरा निकट
के रिश्तेदार को पहला मौका मिलना था।
वह आदमी जमीन तो चाहता था - लेकिन
रुत को अपनी पत्नी के रूप में नहीं चाहता
था। कानून के अनुसार वह एक को रख
दूसरे को छोड़ नहीं सकता था।

उन दिनों में लोग सौदा तय करने के लिए हाथ नहीं मिलाते थे। बोअज अपने जूती को निकला और सार्वजनिक रूप से दूसरे आदमी को दे दिया। सौदे का निपटारा हो गया। रुत अब उसकी पत्नी बन जाएगी। अब वह और नाओमी बोअज के 'परिवार का हिस्सा थे।

बोअज और रुत ने उनके पहले बेटे को ओबेद नाम से पुकारा। वह दाऊद, इस्राएल के महान राजा का दादा बना।

लेकिन इससे भी ज्यादा आशीषित बात यह है की, यह बालक ओबेद प्रभु यीशु मसीह का पूर्वज भी है। प्रभु यीशु मसीह राजाओं का राजा और दुनिया का उद्धारकर्ता होने के लिए दाऊद के वंशजों के माध्यम से आया।

रुतः एक प्रेम कहानी

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

रुत

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16